माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

Husain 24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
Gn. Hindi	0 5 1	English

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

[redacted]

पुस्तिका का क्रमांक A- 2064

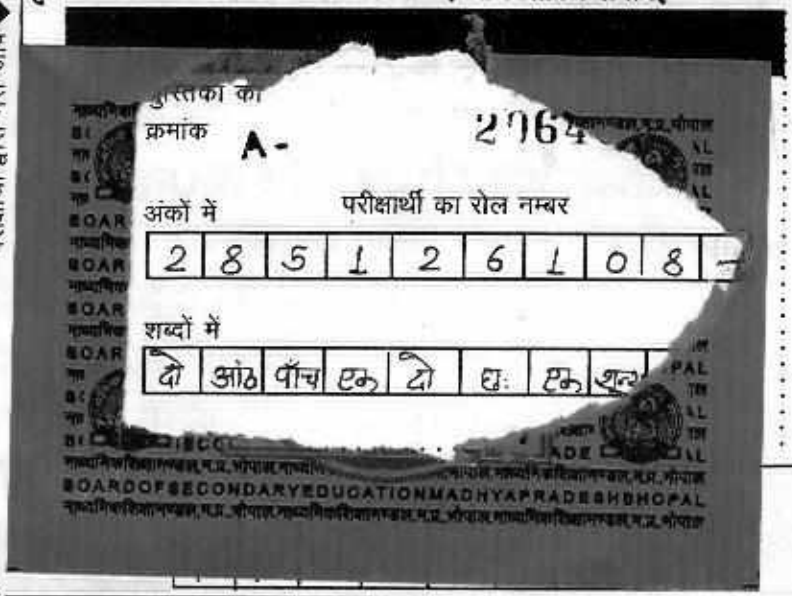

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: 2 8 5 1 2 6 1 0 8

शब्दों में: दो | आठ | पाँच | एक | दो | छः | एक | शून्य

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. भोपाल

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे →

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे →

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में ✗ शब्दों में ✗

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 01

ग :– परीक्षा का दिनांक 10 | 03 | 2018

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकण्डरी परीक्षा 511015

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Kamlesh-Dabi	केन्द्राध्यक्ष केन्द्र क्रमांक-511015

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे →

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
R.K.Barman V.A.-25116	D.K. Sharma ...No.1031

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्ठी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		

कुल प्राप्तांक, शब्दों में

② [ ] +

योग पूर्व पृष्ठ

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र :- 1

1. रिक्त स्थान की पूर्ति :-

(i) दास्य

(ii) 142 ।

(iii) पंचधारा

B (iv) भारतेन्दु युग ।

अनेकार्थी ।

प्रश्न क्र :- 2

प्र-2 सही विकल्प :-

(i) 1902 (ब)

(ii) गोविन्द सिंह (स)

(iii) दारा (अ)

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

(iv) कनकलता (द)

(v) कुछ भी हानी न होना (ब)

प्रश्न क्र. 4 3

प्र. सत्य / असत्य 4

(i) सत्य ।

(ii) सत्य ।

(iii) सत्य ।

(iv) सत्य ।

(v) असत्य ।

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOF

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. :- 4

प्र. 4 सही जोड़ी :-

(i) जागो फिर एक बार :- निराला

(ii) सृजन यात्रा की साथी :- पुस्तके

(iii) गागर में सागर :- ~~संपूर्ण वाक्य~~ वाक्यांश

(iv) लोकोक्तियाँ :- संपूर्ण वाक्य

(v) ट्रेजडी का पारिभाषिक शब्द :- दुर्घटना

प्रश्न क्र. - 5

प्र एक वाक्य में उत्तर :-

(i) धरती का ताज हिमालय पर्वत को कहा गया है।

(ii) देवेन्द्र दीपक का जन्म 1932 ई में हुआ।

(iii) Process

5

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

(iv) अर्थ की दृष्टि से अव्यय आठ प्रकार के होते है।

(v) 'दक्षिण भारत की एक झलक' के लेखक आचार्य विनय मोहन शर्मा जी है।

प्रश्न क्र. - 6

प्र. पर्यायवाची शब्द :-

1. चँद्रमा :- चाँद, हिमांशु, मयंक
2. बादल :- मेघ, जलधर
3. हवा :- वायु, पवन
4. पानी :- अम्बु, सलिल, जल

प्रश्न क्र. - 7

प्र. समास विग्रह :-

शब्द	समास विग्रह	समास का नाम
(i) माता - पिता	माता और पिता	द्वन्द्व समास
(iv) नवरत्न	नौ रत्नो का समूह	द्विगु समास

योग पूर्व पृष्ठ

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र - 8

उत्तर संक्षेपण :- संक्षेपण का अर्थ होता है संक्षिप्त मे लिखना। संक्षेपण मे किसी भी प्रकार की टिका-टिप्पणी नही की जाती है। इसमें संपूर्ण बात को संक्षिप्त में लिखा जाता है।

संक्षेपण के द्वारा लम्बी बातो या वाक्यो को छोटा किया जा सकता है। लेखक अपने मन के सभी विचारो को संक्षेपण द्वारा आसानी से बता सकते है।

B S E

प्रश्न क्र :- 9

प्र. अशुद्ध वाक्य :-

(i) रानी पन्द्रह अगस्त को भाषण देगी।

मैंने गीता पढ़ी है।

प्रश्न क्र :- 10 [अथवा]

विलोम शब्द :-

(i) आवश्यक :- अनावश्यक

(ii) परिष्कृत :- निष्कृत

मध्यप्रदेश
BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

(iii) स्वाधीन : पराधीन

(iv) प्रशंसा : निंदा

प्रश्न : 11 [अथवा]

शब्दो का अर्थ :

(i) अवधि : समय
वाक्य : वह निश्चित अवधि पर आ ~~जाए~~ जाएगा।

अवधी : भाषा
वह अवधी भाषा जानता है।

(ii) अविराम : बिना रुके।
वह अविराम चलता रहा।

अभिराम : एक प्रकार का नाम
अभिराम आज ~~आज~~ आएगा।

B
S
E

OFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECO

UCATION,MADHAYPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDU

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 8 12

उत्तर सिरचन को माथी, घास और पटेर की रंगीन शीतलपाटी, बाँस की तीलियों की झिलमिलाती चिक, भूँसी चुन्नी रखने के लिए मूँज की रस्सी के बड़े-बड़े जाले, हलवाहों के लिए ताल के सूखे पत्ते की छतरी-टोपी, सतरंगी डोरे के मोढ़े आदी वस्तुएँ बनाना जानता था। वह एक बहुत कुशल कारीगर था। उसके काम में बहुत बारीकियाँ थी।

B
S
E

प्रश्न क्र. 8 13 [अथवा]

उ. देश के राजा की कोई संतान नहीं थी। मंत्रीजी ने राजा को किसी होनहार बालक को गोद लेने की सलाह दी परंतु राजा ने कहा मैं ईश्वर की मरजी के विरुद्ध कार्य नहीं करूँगा। फिर देश के राजा बहुत बिमार हो गए और निःसंतान चल बसे। अब राज-काज किसे दिया जाए, इसी फिक्र में मंत्रीजी उदास थे। मंत्रीजी भी काफि वृद्ध हो गए थे, इसलिए वे भी राजा का कार्य नहीं सँभाल सकते थे।

SECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOA

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. : 14 [अथवा]

उत्तर हिन्दी निबंध साहित्य को चार भागो मे विभाजित किया गया है । उनका विकासक्रम कुछ इस प्रकार है :

(i) भारतेन्दु युग : सन् 1850 से 1900 ई. तक
(ii) द्विवेदी युग : सन् 1900 से 1920 तक
(iii) शुक्ल युग : सन् 1920 से 1940 तक
(iv) शुक्लोत्तर युग : सन् 1940 से अब तक

B
S
E

प्रश्न क्र. : 15

'शैली ही व्यक्ति है और व्यक्ति ही शैली है ।

व्यास शैली : इस शैली की भाषा सरल और सुंदर होती है ।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र. प्रश्न क्र. ‑ 16

उत्तर यशोदा ने उद्धव जी के माध्यम से देवकी को संदेश भेजा कि मैं तो कृष्ण का पालन पोषण करने वाली धाई हूँ। मैं तुमसे निवेदन करती हूँ कि तुम कृष्ण पर ममता बिखेरना, उसके प्रति कठोरता का व्यवहार मत करना। कृष्ण को प्रातः माखन रोटी खाना अच्छा लगता है इसलिए उसे माखन रोटी ही देना। वह बड़ी मुश्किल से स्नान करता है, तुम उसकी सभी बातों को मानकर उसे स्नान के लिए मना लेना। तभी वह तेल, उबटन और गर्म पानी से स्नान करेगा। इसके साथ ही कृष्ण संकोच स्वभाव के है। अतः वह अपने मुख से कुछ भी नहीं कहेंगे। उन्हे ही उनकी आदतों का ध्यान रखना होगा।

प्रश्न क्र. ‑ 17

उ छत्रसाल की भुजाओं को शेषनाग और उनकी बरछी को संगिनी कहा गया है। छत्रसाल की बरछी की कई विशेषताएँ है। छत्रसाल की बरछी को मछली के समान कहा गया है। जिस प्रकार मछली पानी के तीव्र से तीव्र प्रवाह को चीरते हुए उसमे सीधी घुस जाती है उसी प्रकार छत्रसाल की बरछी शत्रुओं के शरीर के कवच, हाथी पर पड़े

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

लोहे की नाल में सीधी घुसकर शत्रुओ को मार डालती है। इसके अलावा छत्रसाल की बरछी को नागिन की तरह कहा गया है। जिस प्रकार नागिन अपने शत्रुओ को ढूँढकर उन्हे डँस लेती है उसी प्रकार छत्रसाल की तलवार भी शत्रुओ का वध कर देती है। इसके साथ ही तलवार को प्रलयकारी सूर्य की उपमा भी दी गई है क्योकि वह सूर्य की महाज्वाला के समान चमकती है।

प्रश्न क्र. 8 - 18 [अथवा]

उ पृथ्वी, आकाश, अग्नि, वायु और जल, यह पाँच तत्व होते है। माँ भी इन पंचतत्व के गुणो को धारण किए हुए है। वह कुछ इस प्रकार है:-

(i) माँ के अंदर पृथ्वी का गुण धीरज या धैर्य होता है। जिस प्रकार पृथ्वी सारा भार उठाती है उसी प्रकार माँ भी हँसते-हँसते सभी मुसीबत उठा लेती है।

(ii) माँ मे आकाश की तरह प्रकाश होता है। वह हमेशा अपने बच्चो को संघर्ष के लिए प्रेरित करती है।

(iii) माँ के अंदर वायु की तरह तीव्रता होती है।

(iv) माँ अग्नि की तरह प्रचंड ज्वाला का भी रूप धारण कर लेती है।

(v) माँ जल की तरह शीतल और शांत होती है।

ARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSEC EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARY

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. - 19

उत्तर मोमबत्ती बुझाने के बाद चँद्रमा की चाँदनी उनकी खिड़की और दरवाजे से होती हुई सारे कमरे में फैल गई। सारा पर्यावरण ज्योतिर्मय हो उठा। उन्होंने खिड़की के पास से आकर देखा तो उन्हें ऐसा लगा जैसे चाँद उनको कह रहा हो मैं कब से तुम्हें याद कर रहा था। वे दरवाजे से बाहर छत पर आ गए, उन्हें ऐसा लगा जैसे वे चाँदनी की झील में उतर गए हो। इस प्राकृतिक मनोहारी दृश्य को देख वे इतने अभिभुत हो गए कि उनके मुख से अकस्मात निकल पड़ा - यह है सौंदर्य! अब समझ में आया शब्द तो माध्यम है मुख्य बात तो अनुभव की होती है।

B
S
E

प्रश्न क्र. - 20

उत्तर अखबार में जबलपुर की निम्न घटना छपी थी :- कल रात एकाएक पानी बरसा और खूब बरसा। जेल के पास के पुलिया के नाले में तीन भिखारी बच्चे बह गए। उन तीनों बच्चों की लाशे मिली है। बहुत कोशिश करने के बाद भी उनकी पहचान नहीं हो पाई है। उन तीनों भिखारी बच्चों में दो लड़किया है और एक लड़का।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

लड़का पुरकल से पाँच वर्ष का होगा। तीनो ने फटे पुराने कपड़े पहन रखे थे। तीनो की स्थिति बड़ी दयनीय थी। ऐसा सुना गया है कि वे तीनो बच्चे गाना गाकर भीख माँगा करते थे और अपना पेट भरते थे। तीनो बच्चे बहुत ही बुरी हालत में थे।

प्रश्न क्र. - 21

उत्तर गाँधीजी का शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण था कि जो शिक्षा मनुष्य के चारित्रिक गुण और कर्तव्य का बोध कराती है, वही सर्वश्रेष्ठ है। केवल अक्षर ज्ञान ही शिक्षा नही है। सच्ची शिक्षा तो चारित्रिक गुणों का विकास करती है और मनुष्य को अपने कर्तव्य का बोध कराती है।

जो शिक्षा व्यक्ति को केवल अक्षर ज्ञान कराती है, उसे गाँधीजी ने 'आधी शिक्षा' कहा है। अक्षर ज्ञान होना ही शिक्षा नही है बल्कि शिक्षा तो अपने गुणों का विकास करती है और व्यक्ति को कर्तव्य का बोध कराती है। गाँधीजी के अनुसार सच्ची शिक्षा के द्वारा ही मनुष्य जीवन में सफलता प्राप्त करता है और प्रत्येक क्षेत्र में उसे विजय प्राप्त होती है।

=x=

पृष्ठ 14 के अंक   कुल अंक

OFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. - 22 [अथवा]

उत्तर केरल के गाँवो की निम्नलिखित विशेषताएँ है :-

(i) नारियल का देश होने से वह विभिन्न कार्यो मे उपयोग मे लाया जाता है।

(ii) भोजन के बाद जीरे का उबला हुआ पानी पीने के काम लाया जाता है।

B
S (iii) गरीबो के घर नारियल के विभिन्न अवयवो से बनते है।
E

यहाँ हर गाँव मे डाक घर, अस्पताल और दवाँखाना नियमित रुप से होना अनिवार्य है।

(v) यहाँ हिन्दी का इतना अधिक प्रचार है कि हर गाँव मे हिन्दी बोलने वाले स्त्री - पुरुष मिल जाते है।

(vi) केरल का आहार भी तमिल और आन्ध्र के जैसा ही है।

(vii) यहाँ के गाँव बहुत आबाद है।

=x=

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र. :- 23

उत्तर कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला जी ने भारतीयों को जगाने के लिए 'जागो फिर एक बार' कविता में उद्‌बोधित किया है। कवि कहते है कि देश के युवाओं को अपनी सोई हुई वीरता को पहचानना होगा। उन्हें अपने देश पर आई हुई विपत्ति को दूर करने के लिए संघर्ष करना होगा। उन्हें आलस्य को त्यागकर पुरुषार्थी और पराक्रमी बनना होगा। अपने देश को संकट से बचाना होगा। उन्हें अपनी कायरता को त्यागकर वीरता को पहचानना होगा। कवि उदाहरण देते हुए कहते है कि जब मेषमाता से उसकी संतान छिनी जाती है तब वह चुप-चाप देखती रह जाती है क्योंकि वह निर्बल होती है जबकि सिंहनी की गोद से कोई उसका बच्चा छिनने का प्रयास करे तो वह इतनी जोर से दहाड़ती है कि शिकारी घबराकर भाग जाता है। इस प्रकार मेषमाता अपने शिशु की रक्षा के लिए कुछ नहीं करती और सिंहनी अपने शिशु की रक्षा के लिए उग्र रूप धारण करती है।

इस प्रकार कवि भी युवाओं को उग्र रूप धारण करके अपने देश के रक्षा करने को कहते है और इसलिए कवि ने युवा पीढ़ी को उद्‌बोधित करते हुए जगाने का प्रयास किया है।

=x=

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र. प्रश्न क्र. :- 24

भावार्थ :-

साजि - - - - - - - - - - हलत है।

संदर्भ प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक मकरंद के पाठ- 6 'शौर्य-गाथा' से ली गई है। इसके कवि भूषण है।

प्रसंग प्रस्तुत पंक्तियो मे शिवाजी के युद्ध अभियान का व उनकी वीरता का वर्णन किया गया है।

भावार्थ :- कवि कहते है कि शिवाजी अपनी सेना को लेकर युद्ध क्षेत्र की ओर जाते है। इस सेना मे हाथी, घोड़े, रथ और पैदल सभी होते है। शिवाजी युद्ध क्षेत्र मे विजय प्राप्त करने के उद्देश्य से जाते है और युद्ध के परिचायक नगाड़े और ढोल जोर-जोर से बजाते है जिससे सेना मे साहस उत्पन्न होता है। सेना के युद्ध क्षेत्र मे जाने के कारण अत्यधिक धूल आकाश मे छा जाती है। बढ़ते कदमो का इतना दबाव होता है कि समुद्र का पानी थाली में रखे पारे के समान हिलता है। हाथियो के टकराने से ऐसा लगता है मानो पर्वत उखड़ रहा हो। धूल के कारण सूर्य भी तारे के समान दिखाई देता है।

विशेष (i) :- शिवाजी की वीरता का वर्णन किया है।
(ii) वीर रस का प्रयोग।
(iii) भूषण वीर रस के कवि है।
(iv) अनुप्रास और ~~अमक~~ श्लेष अलंकार।

=x=

RYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOF

न क्र.

प्रश्न क्र. :- 25

गद्यांश :-
समय . . . . देता है।

उत्तर

(i) गद्यांश का शीर्षक :- 'समय का महत्व / सदुपयोग'।

(ii) जीवन में सफल होने के लिए समय का सदुपयोग परम आवश्यक है।

(iii) लोग धन को अधिक मूल्यवान मानते हैं, लेकिन समय धन से अधिक मूल्यवान है।

(iv) उपर्युक्त गद्यांश में समय के महत्व के बारे में बताया है। जीवन में सफल होने के लिए समय का सदुपयोग करना अतिआवश्यक है। समय धन से अधिक मूल्यवान है। समय चले जाने पर वापस नहीं आता और जो समय नष्ट करता है उसे समय नष्ट कर देता है।

प्रश्न क्र. :- 26

पद्यांश :-
रवि जग . . . . तन का।

(i) पद्यांश का शीर्षक :- 'प्रकृति' / 'सूर्य और चंद्रमा'।

(ii) तृण का जीवन लघु होता है और कर्ममय तन का अंत होता है।

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 18 के अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

iii) प्रस्तुत पद्यांश का सारांश यह है कि जिस प्रकार सूर्य पूरी पृथ्वी को प्रकाश देता है और मेघ पानी बरसाता है उसी प्रकार पृथ्वी पर हर कोई कर्म करता है और जीवन व्यतीत करता है।

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र. :- 27

पत्र

5, जवाहर मार्ग
जबलपुर

सेवा मे,
श्रीमान थाना महोदय,
थाना प्रभारी,
जबलपुर

विषय :- ध्वनि विस्तारक यंत्रो पर रोक लगाने हेतु प्रार्थना - पत्र।

महोदय,

आपसे सविनय निवेदन है कि अगले सप्ताह से हमारी वार्षिक परीक्षा आरंभ होने जा रही है। जिससे सभी विद्यार्थी अपनी पढ़ाई कर रहे है। परंतु ध्वनि विस्तारक यंत्र जैसे बाजे, लाउडस्पीकर आदि के कारण हम अपनी पढ़ाई नही कर पा रहे है। हमारी पढ़ाई मे हम अपना मन नही लगा पाते।

अतः आपसे निवेदन है कि इन यंत्रो पर रोक लगा दी जाए ताकि हम विद्यार्थियों को इस समस्या से निजात मिल सके।

सधन्यवाद

आपकी आज्ञाकारी छात्रा
नाम :- ईशिका घाडे
कक्षा - 12वी

दिनांक - 10/3/18

—x—

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 20 के अंक = कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(अ) प्रश्न क्र. - 28

निबंध

स्वच्छ भारत अभियान

रूपरेखा :- 1. प्रस्तावना
2. स्वच्छता का अर्थ
3. स्वच्छता अभियान की जरूरत
4. गंदगी के दुष्परिणाम
5. गंदगी दूर करने के उपाय
6. उपसंहार

(1) प्रस्तावना :- आज हमारा देश विभिन्न प्रकार की समस्याओं से घिरा हुआ है। जिसकी वजह से उसकी उन्नति में बाधा उत्पन्न होती है। आज स्वच्छता की समस्या भी बढ़ रही है। लोग स्वच्छता का बिलकुल ध्यान नहीं रखते। जिससे अनेक बिमारियाँ घर कर जाती है। इसलिए स्वच्छता रखना बहुत आवश्यक है।

(2) स्वच्छता का अर्थ :- स्वच्छता का अर्थ है साफ रखना। यह प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है कि वह अपने आस-पास की जगह को साफ रखे। जिस प्रकार हम अपना घर साफ रखते है उसी प्रकार यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपना शहर और देश दोनो साफ रखे। स्वच्छता

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPR

क्र.

हमारे लिए बहुत जरूरी है। यदि व्यक्ति स्वच्छ रहता है तो उसका दिमाग भी स्वच्छ रहता है।

(3) स्वच्छता अभियान की जरूरत :- हमारे प्रधानमंत्री जी ने ~~कुछ~~ गत वर्ष ही एक अभियान बनाया :- स्वच्छता अभियान। इस अभियान को काफि हद तक सफलता मिली। आज हमारे देश मे स्वच्छता से संबंधित काफि सुधार आए है।

इस अभियान मे बड़े, बूढ़े और बच्चो ने भी भाग लिया और अपने शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाया। वास्तव मे इस अभियान की बहुत जरूरत थी और अगर यह अभियान कुछ वर्षों पूर्व आरंभ हुआ होता तो आज हमारा देश कुछ और ही होता।

(4) गंदगि के दुष्परिणाम :- गंदगि की वजह से उस पर अनेक प्रकार के जीव जन्म लेते है और यही जीव हमारे खाने पर बैठकर हमारे खाने को भी गंदा करते है जिससे अनेक प्रकार की बिमारियाँ उत्पन्न होती है। गंदगि को रोकना बहुत ही आवश्यक है तभी हम इन नई जन्म दे रही बिमारियो को रोक पाएंगे। और अपने आप को बिमारियो से बचा पाएंगे।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

(5) गंदगि दूर करने के उपाय :- गंदगि को दूर करने के लिए हमे अपने घर का कचरा एकत्रित करके फेकना होगा। सड़को पर यहाँ-वहाँ कचरा डालने से रोकना होगा ताकि उन पर मच्छर न हो साथ ही इस कचरे को जलाकर भी हम इसके समस्याओ से मुक्त हो सकते है।

गंदगि दूर करने के लिए हमे अपने - अपने स्तर पर योगदान देना होगा।

B
S
E

(6) उपसंहार :- प्रकृति ने तो हमें शुद्ध वातावरण दिया है परन्तु मनुष्य ने अपने लाभ के कारण इस वातावरण को इतना गंदा कर दिया है कि आने वाला समय दूभर प्रतीत हो रहा है। इस वातावरण को शुद्ध करना हमारा कर्तव्य है और हमे इस कर्तव्य को निभाना होगा। हम सबका एक ही लक्ष्य होना चाहिए :-

"स्वच्छ भारत"

—x—

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 23 के अंक | कुल अंक

मध्यप्रदेश
BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र. :- 28

(ब) रूपरेखा :-

विद्यार्थी और अनुशासन

रूपरेखा :- 1. प्रस्तावना
2. अनुशासन का अर्थ
3. विद्यार्थी जीवन मे अनुशासन
4. अनुशासन की जरूरत
5. अनुशासन मे रहने के लाभ
6. विद्यार्थी और अनुशासन मे भिन्नता
7. उपसंहार

=x=